

# अनुवाद



## अनुवाद क्या है ?

एक भाषा में लिखित वाक्य या वाक्यों को दूसरी भाषा में लिखना अनुवाद कहलाता है । जाहिर है कि अनुवाद कार्य में अनुवादक को दोनों भाषाओं का सही ज्ञान होना आवश्यक है ।

मातृभाषा ओड़िआ से राष्ट्रभाषा हिन्दी में तथा हिन्दी से ओड़िआ में अनुवाद करने के लिए इन दोनों भाषाओं को जानना जरूरी है ।

## अनुवाद कैसे किया जाता है ?

– पहले मूल भाषा के वाक्य को पढ़ना और ठीक से समझ लेना चाहिए, जिससे मूल विचार को पकड़ा जा सके ।

– फिर मूल भाषा के वाक्य के विभिन्न अंगों को समझना जरूरी है । क्योंकि प्रत्येक भाषा की वाक्य-संरचना की शैली अलग-अलग होती है । मूल भाषा के वाक्य के अंगों का आपस में कैसा संबंध है, उसे भी समझना आवश्यक है ।

– वाक्य के दो मुख्य अंश होते हैं – उद्देश्य अथवा कर्त्ता का अंश और उसके अनुसार चलने वाली क्रिया या विधेय का अंश ।

कर्त्ता के लिंग, वचन और पुरुष के अनुरूप क्रिया होती है । यह हिन्दी भाषा की विशेषता है । ओड़िआ में क्रिया पर कर्त्ता के लिंग का प्रभाव नहीं पड़ता । अतएव ओड़िआ वाक्य लिखते समय कर्त्ता पद के लिंग को जानना आवश्यक नहीं है । इसके विपरीत हिंदी के हर संज्ञापद का लिंग जानना जरूरी है ।

## १. निम्न उदाहरणों को देखिए :

लिंग (पुं) - लड़का जाता है = ଘିଲାଟି ଯାଏ / ଯାଉଛି ।

(स्त्री) - लड़की जाती है = ଝିଅଟି ଯାଏ / ଯାଉଛି ।

पुरुष (उत्तम)- मैं गावँ में रहता हूँ । = ମୁଁ ଗାଆଁରେ ରହେ ।

(मध्यम)- तुम क्या करते हो ? = ତୁମେ କ'ଣ କର / କରୁଛ ?

(अन्य)- किसान खेती करते हैं । କृଷकମାନେ ଚାଷ କରନ୍ତି ।

वचन (एक)- लड़की काम करती है = ଝିଅଟି କାମ କରେ / କରୁଅଛି ।

(बहु) - लड़कियाँ काम करती हैं । = ଝିଅମାନେ କାମ କରନ୍ତି / କରୁଛନ୍ତି ।

## २. हिन्दी में संबंध (कारक) के बाद वाले शब्द के लिंग और वचन के अनुसार संबंध - चिह्न लगते हैं; जैसे —

राम का भाई (भाई - पुं, एक वचन है तो - का)

राम के लड़के (लड़के - पुं, बहु वचन है तो - के)

राम की बहन (बहन - स्त्री , एक वचन है तो - की)

राम की बहनें (बहनें - स्त्री, बहुवचन है तो भी - की)

## ३. हिन्दी में कर्म के अनुसार भी क्रिया चलती है । वाक्य भूत काल में होने पर और क्रिया सकर्मक तथा - आ / ए/ ई प्रत्यय युक्त होने पर कर्ता के साथ 'ने' परसर्ग लगता है । ऐसी स्थिति में क्रिया कर्ता के अनुसार नहीं चलती । वाक्य में कर्म होने पर क्रिया कर्म के लिंग -वचन के अनुसार बदलती है, अन्यथा स्वतंत्र रहती है । यह विशेषता ओड़िआ भाषा में नहीं है । जैसे -

लड़के ने फल खाया ।

लड़की ने फल खाया ।

लड़के ने रोटी खायी ।

लड़की ने रोटी खायी ।

लड़के ने चार आम खाये ।

लड़की ने चार आम खाये ।

लड़के ने दो रोटियाँ खायीं ।

लड़की ने दो रोटियाँ खायीं ।

**नोट** – ऊपर के वाक्यों में कर्ता के साथ – ने परसर्ग आने पर कर्म के लिंग-वचन के अनुसार क्रिया का रूप बदला है ।

#### ४. क्रिया के रूप :

ओड़िआ तथा हिन्दी में क्रिया के तीन काल होते हैं —

भूत, वर्तमान और भविष्यत् ।

हिन्दी में कर्ता के लिंग, वचन और पुरुष तीनों के अनुसार क्रिया बदलती है, जब कि ओड़िआ में केवल वचन और पुरुष के अनुसार । निम्नलिखित वाक्यों को देखें और दोनों भाषाओं के क्रिया -रूपों को समझें —

##### भूत काल

१. उत्तम पुरुष – मैं गया / गयी = ମୁଁ ଗଲି ।  
हम गये / गयीं = ଆମେ ଗଲୁଁ ।

२. मध्यम पुरुष – तू गया / गयी – ତୁ ଗଲୁ ।  
तुम गये / गयीं – ତୁମେ ଗଲ ।  
आप गये / गयीं – ଆପଣ ଗଲେ ।

३. अन्य पुरुष – वह गया / गयी – ସେ ଗଲା ।  
वे गये / गयीं – ସେମାନେ ଗଲେ ।

कर्त्ता के साथ 'ने' आने पर और कर्म न रहने पर क्रिया रूप स्वतंत्र बनते हैं, देखिए ।

उत्तम पुरुष - मैंने खाया । हमने खाया ।

मध्यम पुरुष - तूने खाया । तुमने खाया । आपने खाया ।

अन्य पुरुष - उसने खाया । उन्होंने खाया ।

राम ने खाया । लीला ने खाया ।

राम और लीला ने खाया ।

### वर्त्तमान काल

१. उत्तम पुरुष - मैं काम करता हूँ / करती हूँ - मैं काम करूँछि ।

हम काम करते हैं / करती हैं - हम काम करूँछु ।

२. मध्यम पुरुष - तू काम करता है / करती है - तू काम करूँछु ।

तुम काम करते हो / करती हो - तुम काम करूँछ ।

३. अन्य पुरुष - हरि काम करता है / सीता काम करती है ।

हरि काम करूँछि / सीता काम करूँछि ।

हरि और रमेश काम करते हैं / मालती और लता काम करती हैं ।

हरि ও রমেশ काम करूँछि / মালতী ও লতা काम करूँछি ।

### भविष्यत् काल

१. उत्तम - मैं पढ़ूँगा / पढ़ूँगी - मैं पढ़ूँगी ।

हम पढ़ेंगे / पढ़ेंगी - हम पढ़ेंगे ।

२. मध्यम - तू पढ़ेगा / पढ़ेगी - तू पढ़ेगा ।

तुम पढ़ोगे / पढ़ोगी - तुम पढ़ोगे ।

३. अन्य - राम पढ़ेगा / सीता पढ़ेगी - राधा / शीता पढ़ेंगे ।  
 राम और श्याम पढ़ेंगे - राधा ও শ্যাম পড়িব ।  
 सीता और मीता पढ़ेंगी - शीता ও মীতা পড়িব ।

हिन्दी में पदसमूह (अनेक पदों का एक साथ गुंफन) बनाते समय विभक्ति / परसर्ग में परिवर्तन होता है । ऐसा ओड़िआ में नहीं है, जैसे —

- (i) उसका घर पास में ही है - ତା'ର ଘର ଏଇ ପାଖରେ ।  
 उसके घर में चार आदमी हैं - ତା'ର ଘରେ ଚାରିଜଣ ଲୋକ ଅଛନ୍ତି ।
- (ii) काला घोड़ा चरता है - କଳା ଘୋଡ଼ା ଚରୁଅଛି  
 काले घोड़े को घास दो - କଳା ଘୋଡ଼ାକୁ ଘାସ ଦିଅ ।

इस प्रकार अनुवाद करने के अनेक तरीके जानने की जरूरत है । उन्हें धीरे - धीरे सीखें । अनुवाद करें तो आसानी होगी ।

निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए —

- |   |                              |                      |
|---|------------------------------|----------------------|
| ୧ | ଆଜି ବର୍ଷା ହେଉଛି ।            | आज वर्षा हो रही है । |
| ୨ | ଆଜ୍ଞାକୁ ମୋଘ ଢାଳି ରଖିଛି ।     | _____                |
| ୩ | ଏହା ଶ୍ରାବଣ ମାସ ।             | _____                |
| ୪ | ଏହା ଚାଷର ସମୟ ।               | _____                |
| ୫ | ଚାଷୀମାନେ ବିଲକୁ ଯାଆନ୍ତି ।     | _____                |
| ୬ | ସେମାନେ ଦିନ ଯାକ ହଳ କରନ୍ତି ।   | _____                |
| ୭ | ବିହନ ବୁଣି ଦେଲେ ଚାଷୀ ଉଠେ ।    | _____                |
| ୮ | ବର୍ଷା ନ ହେଲେ ଚାଷ ହେବ ନାହିଁ । | _____                |

୯	ବାଳକମାନେ ସ୍କୁଲ ଯାଉଛନ୍ତି ।	-----
୧୦	ବାଳିକାମାନେ ଗୀତ ଗାଇବେ ।	-----
୧୧	ଦେଖ, ସୂର୍ଯ୍ୟୋଦୟ ହେଲାଣି ।	-----
୧୨	ଚାଲ, ବାହାରେ ଟିକିଏ ବୁଲିବା ।	-----
୧୩	ଥଣ୍ଡା ପବନ ବୋହୁଛି ।	-----
୧୪	ସକାଳୁ ଉଠି ବ୍ୟାୟାମ କରିବା ଉଚିତ ।	-----
୧୫	ସହରରେ ବହୁତ ଲୋକ ରହନ୍ତି ।	-----
୧୬	ସେମାନେ ରାତିରେ ଡେରିରେ ଶୁଅନ୍ତି ।	-----
୧୭	ତୁମେ ସେମିତି କରିବ ନାହିଁ ।	-----
୧୮	ଶୀଘ୍ର ଶୋଇବ ଏବଂ ଶୀଘ୍ର ଉଠିବ ।	-----
୧୯	ଭଲ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ପାଇଁ ଭଲ ଭୋଜନ ଦରକାର ।	-----
୨୦	ଆମେ ସମସ୍ତେ ଭଲ ପିଲା ।	-----

निम्नलिखित वाक्यों का ओड़िआ में अनुवाद कीजिए —

- ୧      हमारे देश का नाम भारतवर्ष है ।
- ୨      यहाँ सबसे ऊँचा पहाड़ है ।
- ୩      सागर मेरे देश का पाँव पखारता है ।
- ୪      मेरे देश में करोड़ों लोग बसते हैं ।
- ୫      मेरे मुहल्ले में दस बच्चे हैं ।
- ୬      वे चार बजे खेलते हैं ।
- ୭      लड़कियाँ साइकिल चलाती हैं ।
- ୮      हमारे घर के पास एक पार्क है ।

- ९ वहाँ बहुत-से पेड़-पौधे हैं ।
- १० शाम को लोग वहाँ टहलने जाते हैं ।
- ११ बच्चे, बुजुर्ग खेलते हैं ।
- १२ पुरी समुद्र के किनारे बसा है ।
- १३ कटक ओड़िशा का पुराना शहर है ।
- १४ अकबर एक उदार शासक थे ।
- १५ दिल्ली भारत की राजधानी है ।
- १६ जगन्नाथ का भात जगत पसारे हाथ ।
- १७ होली भारत का बड़ा त्योहार है ।
- १८ लोग एक दूसरे पर रंग डालते हैं ।
- १९ ईद में लोग भोज देते हैं ।
- २० आजकल बड़ी गर्मी पड़ रही है ।
- २१ बिना छाते और जूतों के बाहर न जाएँ ।
- २२ रामू के पास एक कलम थी ।
- २३ वह अच्छा नाचता-गाता है ।
- २४ मेरा भारत एक महान देश है ।
- २५ मैं अपने देश से प्यार करता हूँ ।

